Research Paper E-ISSN NO : 2455-295X | VOLUME : 4 | ISSUE : 5 | MAY 2018

# उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्येक्तिक मूल्य का अध्ययन

डॉ. यतीन कुमार चौबीसा [1] | डॉ. अनिल कुमार जैन [2]

[1] सहायक आचार्य (शिक्षा संकाय) विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान रामगिरी, उदयपुर, (राज.)

[2] सह आचार्य एवं निदेशक (शिक्षा संकाय) वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा, (राज.)

**ABSTRACT**

*प्रस्तुत शोध का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिकाओं के व्येक्तिक मूल्य में क्षेत्रवार अंतर का पता लगाना था। इस कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। अध्ययन में उदयपुर शहर के समीप ग्रामीण राजकीय विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 12 के 20 बालक एवं 20 बालिका सहित कुल 40 विद्यार्थियों का यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया। व्यक्तिक मूल्य के स्तर का पता लगाने हेतु जी.पी.शेरी व आर.पी. वर्मा द्वारा निर्मित व्यक्तिक मूल्य प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। सांख्यिकी के रूप में टी परीक्षण का प्रयोग किया गया। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों से पता चलता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक और बालिकाओं के व्येक्तिक मूल्य के अंतर्गत धार्मिक, सामाजिक, लोकतांत्रिक, आर्थिक, सौंदर्यात्मक, सुखवादी, ज्ञानात्मक, पारिवारिक प्रतिष्ठा, शक्ति एवं स्वास्थ्य संबंधी क्षेत्रों में किसी प्रकार का सार्थक अंतर नहीं देखा गया।*

**Keywords:** उच्च माध्यमिक स्तर व व्येक्तिक मूल्य।

## प्रस्तावना

मूल्य किसी भी राष्ट्र की अमूल्य निधि माने जाते हैं। मानव के मूल्य उसे अपने आचरण व चरित्र का निर्माण करने में सहायक होते हैं। व्यक्ति अपने सर्वांगीण विकास के पथ पर मानवीय मूल्यों के आधार पर बढ़ सकता है। प्रत्येक समाज के अंतर्गत कुछ ऐसे आदर्श एवं नियम होते हैं जिन्हें वह समाज स्वीकार करता है। उन्हीं आदर्श व नियमों के आधार पर समाज प्रगतिशीलता को प्राप्त करता है।

आलपोर्ट के अनुसार "मूल्य एक मानव विश्वास है जिसके आधार पर मनुष्य वरीयता प्रदान करते हुए कार्य करता है।"

प्रत्येक व्यक्ति के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के मूल्य की कमी व अधिकता देखी जाती है। यह मूल्यों के अंतर उसके पारिवारिक कारणों एवं शिक्षा के आधार पर नजर आते हैं । व्येक्तिक मूल्यों का संबंध शिक्षा से जुड़ा हुआ है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति के मूल्यों में संवर्धन किया जा सकता है। शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से विद्यालय में विद्यार्थी को विभिन्न प्रकार के मानवीय मूल्यों को संवर्धित करने का अवसर प्राप्त होता है। विद्यार्थी शिक्षक, मित्र व सहयोगी आदि के साथ रहते हुए सहयोग, सहभागिता, दया, करुणा ,दूसरों की चिंता, लोकतांत्रिक मूल्य, अनुशासन, शिष्टाचार, सम्मान, आत्मसम्मान, मानव जाति एकात्मता, सामाजिक उत्तरदायित्व, इमानदारी, सहिष्णुता, सार्वभौमिक प्रेम, नेतृत्व, शांति, दल भावना, समय की पाबंदी, समाजवाद एवं अहिंसा जैसे मूल्यों को सीखता है। विद्यार्थी जीवन में मानवीय मूल्यों को समझते हुए बालक अपने अंदर आत्मविश्वास एवं नेतृत्व जैसे गुणों का विकास महसूस करता है। बालक के द्वारा शिक्षक के व्यवहार का अनुसरण करते हुए अपने सामाजिक क्षेत्र व वातावरण में उसे उपयोग करने का प्रयास करता है। इस अनुभव के माध्यम से वह अपने अंदर विभिन्न प्रकार के मानवीय मूल्य संवर्धित करने का अवसर प्राप्त करता है।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शोधार्थी ने उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के व्येक्तिक मूल्यों को समझने हेतु एक लघु अध्ययन करने का विचार किया। जिसके माध्यम से विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की व्येक्तिक मूल्यों की स्थिति को समझने का एक अवसर प्राप्त हो सकेगा।

## साहित्यावलोकन

**डेहीडेनिया पी.के. व कानके शकुंतला(2021)** ने अधिगम दृष्टिकोण व विद्यार्थी उपलब्धि में व्येक्तिक मूल्य की भूमिका विषय पर अध्ययन किया। इससे पता चलता है कि व्यक्तिगत मूल्य अध्ययन के दौरान सीखने की विभिन्न तरीकों में सहायक होते हैं तथा उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को भी प्रभावित करते हैं।

**कोसएलेनीएक मैंकेज व बोजानूवासका अग्निजका(2019)** ने अकादमिक बेईमानी मे व्येक्तिक मूल्य और विद्यार्थी की उपलब्धि की भूमिका विषय पर अध्ययन किया। यह अध्ययन शैक्षिक बेईमानी के साथ-साथ विद्यार्थियों की पिछली उपलब्धियों की मॉडरेटिंग भूमिका के साथ मूल्यों के सीधे संबंध की जांच करता है। इसमें पाया गया कि सामाजिक रुप से उन्मुख मानवीय मूल्य अनैतिक व्यवहार से नकारात्मक रूप से संबंधित थे। जबकि व्यक्तिगत रूप से केंद्रित मूल्य सकारात्मक रूप से संबंधित थे। **शैगी लीलच, सोनिया राकस व जन सीएसीउच(2017)** ने मानव जीवन में व्येक्तिक मूल्य विषय पर अध्ययन किया। इस अध्ययन से पता चलता है कि व्यक्तिगत मूल्य प्रकृति में व्यक्तिपरक होते हैं और यह दर्शाते हैं कि लोग क्या सोचते हैं एवं अपने बारे में बतलाते हैं। सही अर्थ में व्यक्तिगत मूल्य मानव व्यवहार को समझना है। **माशाल्लाह समीर(2015)** ने कार्यस्थल पर लोगों के व्येक्तिक मूल्यों की भूमिका विषय पर अध्ययन किया। इनके निष्कर्षों से पता चलता है कि कथाकारों ने अपने कार्यस्थल पर अपने व्यक्तिगत मूल्य को अत्यधिक महत्व दिया है। लोगों के व्यक्तिगत मूल्य और उनके सोचने, महसूस करने और कार्य करने के तरीकों के बीच मजबूत संबंध है।

संबंधित साहित्य के अध्ययन करने से पता चलता है कि व्येक्तिक मूल्य से संबंधित अधिगम मूल्य, शैक्षिक उपलब्धि, कार्यस्थल पर व्यक्तिगत मूल्यों की भूमिका, अकादमिक बेईमानी ,शैक्षिक शोध कार्य, घरेलू वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि तथा मूल्यों में संबंध आदि जैसे विषयों पर कार्य हुआ है। यह कार्य जिन विषयों पर हुए हैं उनकी कार्य विधि,क्षेत्र व शोध तरीको में विभिन्नता है। अतः शोधकर्ता द्वारा उक्त शोध अंतराल के माध्यम से उच्च माध्यमिक स्तर पर व्येक्तिक मूल्य की स्थिति को वर्तमान भौगोलिक स्थिति के अंतर्गत शोध करने की दिशा प्राप्त हुई।

## शोध उद्देश्य

1 उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिकाओं के व्येक्तिक मूल्य में क्षेत्रवार अंतर का पता लगाना।

## शोध प्रारूप

प्रस्तुत शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। यह अध्ययन कार्य उदयपुर शहर के समीप ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय विद्यालय में अध्ययन करने वाले कक्षा 12 के 20 बालकों व 20 बालिकाओ सहित कुल 40 विद्यार्थियों पर किया गया। विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक निदेशन द्वारा किया गया। इस हेतु व्यक्तिक मूल्य के स्तर का पता लगाने हेतु जी.पी.शेरी व आर.पी. वर्मा द्वारा निर्मित व्यक्तिक मूल्य प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। इस अध्ययन में सांख्यिकी प्रविधि के रूप में टी परीक्षण का प्रयोग किया गया।

## प्रदतो का विश्लेषण व व्याख्या

**सारणी क्रमांक: 1**

**उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिकाओं के व्येक्तिक मूल्य के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित प्रदत्त का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी मूल्य**

| Area क्षेत्र | Boys बालक | | | Girls बालिका | | | MEAN DIFF. मध्यमान अंतर | Stander ere मानक त्रुटि | t - Value टी मूल्य | Significant Level सार्थकता स्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | N संख्या | MEAN माध्य | SD मानक विचलन | N संख्या | MEAN माध्य | SD मानक विचलन | | | | |
| Religious धार्मिक | 20 | 12.15 | 1.53 | 20 | 13.15 | 3.07 | 1 | 0.79 | 1.27 | असार्थक |
| Social सामाजिक | 20 | 10.3 | 2.3 | 20 | 9.6 | 1.47 | 0.7 | 0.63 | 1.12 | असार्थक |
| Democratic लोकतांत्रिक | 20 | 11.2 | 2.09 | 20 | 11.3 | 2.6 | 0.1 | 0.77 | 0.13 | असार्थक |
| Asthetic सौंदर्यात्मक | 20 | 13.7 | 2.94 | 20 | 12.75 | 1.97 | 0.95 | 0.81 | 1.17 | असार्थक |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Economic आर्थिक | 20 | 12.5 | 1.96 | 20 | 12.05 | 2.44 | 0.45 | 0.72 | 0.63 | असार्थक |
| Knowlwdge ज्ञानात्मक | 20 | 11.45 | 2.28 | 20 | 11.5 | 1.36 | 0.05 | 0.61 | 0.08 | असार्थक |
| Hedonistic सुखवादी | 20 | 12.65 | 2.39 | 20 | 13.15 | 2.68 | 0.5 | 0.82 | 0.61 | असार्थक |
| Power शक्ति | 20 | 12.05 | 2.11 | 20 | 12.95 | 2.44 | 0.9 | 0.74 | 1.22 | असार्थक |
| Family Prestige पारिवारिक प्रतिष्ठा | 20 | 12.3 | 3.05 | 20 | 12.9 | 2.61 | 0.6 | 0.92 | 0.65 | असार्थक |
| Health स्वास्थ्य | 20 | 11.7 | 2.75 | 20 | 10.65 | 2.41 | 1.05 | 0.84 | 1.25 | असार्थक |

| | |
|---|---|
| (df=38) | (t-value.05=2.02,.01=2.71) |
| 05=* and .01=** Accepted | |

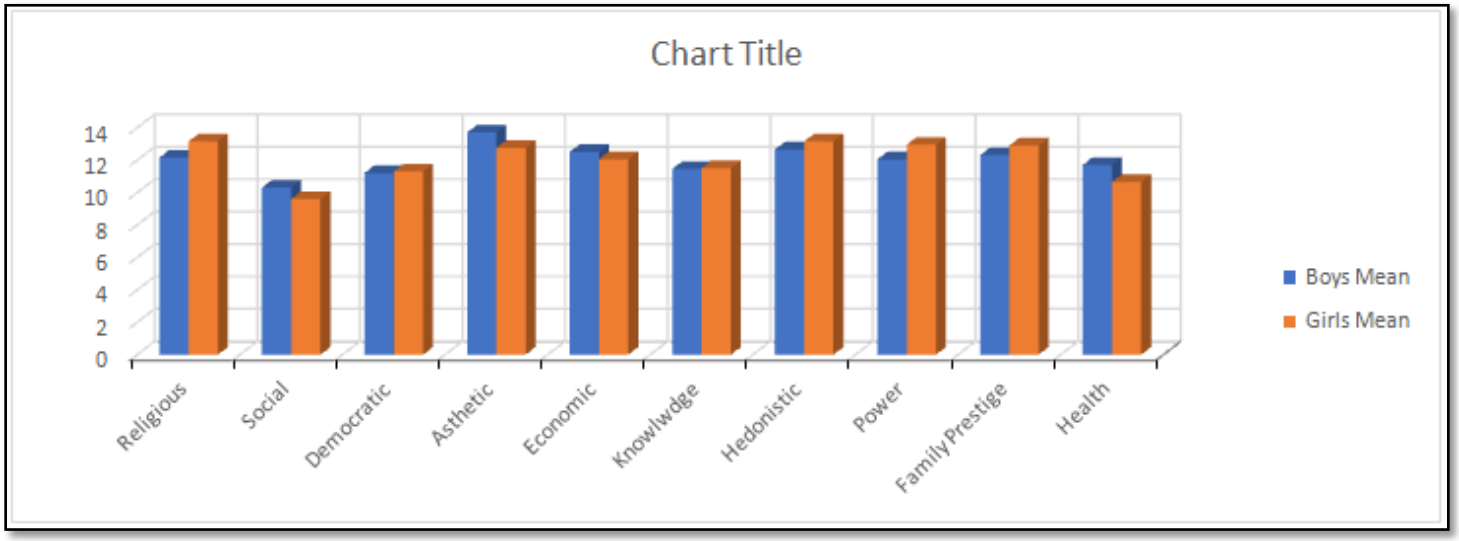


**आरेख क्रमांक: 1**

**उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिकाओं के व्येक्तिक मूल्य के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित प्रदत्त का मध्यमान**

सारणी व आरेख क्रमांक 1 को देखने से स्पष्ट पता चलता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के धार्मिक क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 12.15 व 13.15 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 1.53 व 3.07 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 1.27 है, जो कि 38 df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्कर्ष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के धार्मिक क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के सामाजिक क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 10.30 व 9.60 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 2.30 व 1.47 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 1.12 है, जो कि 38

df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्कर्ष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के सामाजिक क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के लोकतांत्रिक क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 11.20 व 11.30 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 2.09 व 2.60 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 0.13 है, जो कि 38 df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्कर्ष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के लोकतांत्रिक क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के सौंदर्यातमक क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 13.70 व 12.75 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 2.94 व 1.97 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 1.17 है, जो कि 38 df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्करष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के सौंदर्यातमक क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के आर्थिक क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 12.50 व 12.05 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 1.96 व 2.44 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 0.63 है, जो कि 38 df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्कर्ष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के आर्थिक क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के ज्ञानात्मक क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 11.45 व 11.50 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 2.28 व 1.36 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 0.08 है, जो कि 38 df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्कर्ष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के ज्ञानात्मक क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के सुखवादी क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 12.65 व 13.15 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 2.39 व 2.68 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 0.61 है, जो कि 38 df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्कर्ष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के सुखवादी क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के शक्ति क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 12.05 व 12.95 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 2.11 व 2.44 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 1.22 है, जो कि 38 df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्कर्ष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के शक्ति क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के पारिवारिक प्रतिष्ठा क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 12.30 व 12.90 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 3.05 व 2.61 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 0.65 है, जो कि 38 df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्कर्ष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के पारिवारिक प्रतिष्ठा क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 11.70 व 10.65 है। इनका मानक विचलन भी क्रमशः 2.75 व 2.41 है। दोनों समूह के विद्यार्थियों के प्रदत्तों के मध्य टी मूल्य 1.25 है, जो कि 38 df पर 0.05 एवं 0.01 स्तर के दोनों विश्वसनीय सूत्रों के परीकलित मान क्रमशः 2.02 व 2.71 से कम है। शून्य परिकल्पना को स्वीकृत करते हुए हम निष्कर्ष रूप में यह कह सकते हैं कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालक व बालिका के व्येक्तिक मूल्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

**निष्कर्ष**

उच्च माध्यमिक स्तर के बालक और बालिकाओं के व्येक्तिक मूल्य के अंतर्गत समस्त क्षेत्रों में किसी प्रकार का सार्थक अंतर नहीं देखा गया।

**शैक्षिक निहितार्थ**

प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर कहा जा सकता है कि व्येक्तिक मूल्य विद्यार्थियों के सामाजिक, लोकतांत्रिक, केंद्रीय व निजी व्यवहार से संबंधित गुणों को विकसित करने में मददगार हो सकता है। इन मूल्यों की सहायता से विद्यार्थी के समग्र विकास को प्रभावित किया जा सकता है। व्येक्तिक मूल्यों के संवर्धन द्वारा विद्यार्थी की अधिगम एवं शैक्षिक उपलब्धियों को भी प्रभावित करने में सहायता मिल सकेगी।

## REFERENCES


1. भटनागर, ए.बी. एवं भटनागर मीनाक्षी*(1996):* " मापन एवं मूल्यांकन", मेरठ,आर. लाल बुक डिपो ।

2. गुप्ता, एस.पी.*(2008):* "आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन", इलाहाबाद,शारदा पुस्तक भवन।

3. जायसवाल, सीताराम*(1978):* "शिक्षा मनोविज्ञान", लखनऊ,प्रकाशन केंद्र पोस्ट ऑफिस महानगर सीतापुर रोड।

4. मंगल, एस.के.*(2013):* "शिक्षा मनोविज्ञान",दिल्ली , पी. एच. आई. लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड।

5. शर्मा, आर. ए. *(2012):* "शिक्षा अनुसंधान", मेरठ, आर. लाल बुक डिपो ।

6. सक्सेना, एन. आर. स्वरूप एवं चतुर्वेदी शिखा*(2007):* "शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत विश्व ज्ञानकोष", मेरठ, आर. लाल बुक डिपो।

7. Sagiv Lilech, Roccas Sonia and Cieciuch Jan (2017): "Personal values in human life", Nature Human Behaviour, Cardinal Stefan, Wyszynski University in Warsaw.

8. Koscielnaik Maciej and Bojanowaska Agnieszka (2019): "The Role of Personal Values and Student Achievement in Academic Dishonesty", Sec.Educational Psychology, Vol 10, 2019.

9. Dehideniya P.K. and Ekanyake Shakuntala (2021): "The Role of Personal Values in Learning Approaches and Student Achievements", Sec.Educational Psychology.

10. Masshalha (2015): "Tge Role of People's Personal Values in the Workplace", International Journal of Management and Applied Science, ISSN 2394-7926, Vol-1, Issue 9, Oct 2015.


## WEBLIIGRAPHY


1. www.iraj.in
2. www.researchgate.net
3. www.frontiersin.org
4. www.mdpi.com